परिवर्तन पत्रिका / ISSN 2455-5169

रचना-आमंत्रण (रंगमंच विशेषांक)

अंक 14 अप्रैल-जून 2019, (रंगमंच विशेषांक) के लिए रचनाएँ आमत्रित हैं। (अंतिम तिथि 31 मई 2019)

'परिवर्तन' साहित्य, संस्कृति एंव सिनेमा की वैचारिकी की त्रैमासिक ई-पत्रिका है। यह पत्रिका साहित्य, संस्कृति और सिनेमा, के विविध पक्षों को समसामयिक विमर्शों के अंतर्गत विभिन्न विचारधाराओं के प्रकाश से देखती और पड़ताल करती हुई आपके समक्ष प्रस्तुत करती है। इस पत्रिका के पूर्व अंक साहित्य, सिनेमा व वर्तमान विमर्शों पर केन्द्रित रहे हैं। इसी क्रम में 'परिवर्तन' का आगामी अंक 'रंगमंच' विधा पर केन्द्रित है। "ये विश्व एक रंगमंच है, और सभी स्त्री-पुरुष सिर्फ पात्र हैं, उनका प्रवेश और प्रस्थान होता है, और एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में कई किरदार निभाता है।" (विलियम शेक्सपियर) यह उक्ति नाटकीय या कलात्मक प्रदर्शन की प्रकृति से संबंधित होते हुए भी मनुष्य जीवन के दर्शन को इंगित करती है। मनुष्य अपनी अभिव्यक्ति को व्यक्त करने के लिए बहुत सारे माध्यमों का विकास करता रहा है। जिनमें से रंगमंच भी एक आदिम व अहम माध्यम है। विश्व की प्रत्येक संस्कृतियों में व उसके विकास में प्रदर्शकारी क्रियाओं/ कलाओं की अहम भूमिका रही है। आज रंगमंच विधा पूरे विश्व में विकसित और अपने अनेक रूपों व शैलियों में प्रस्तुत हो रहा है, जो समय-समय पर होने वाले वैश्विक उतार-चढ़ाव, विचारधाराओं व विमर्शों से नई दिशा व शैली प्राप्त कर रहा है।

'परिवर्तन' का, रंगमंच जगत के ऐतिहासिक, वर्तमान और आगामी भविष्य के परिदृश्य को उसके अहम मुद्दों व विमर्शों के साथ प्रस्तुत करने का धेय है।

विश्व रंगमंच का इतिहास एवं विकास

भारतीय रंगमंच का इतिहास एवं विकास

रंगमंच की विभिन्न शैलियां

नाटक व नाट्यलेखन

तकनीकी पक्ष (मंच सज्जा व शिल्प, प्रकाश विन्यास, रूप सज्जा, वास्त्रविन्यास, अभिनय, मंच प्रबंधन आदि),

वैश्विक रंगकर्मियों का रंगमच

रंग यात्रा व परिचय

रंगमंच का वर्तमान परिदृश्य एवं नवीन संभावनाएँ

पर केंद्रित है, जिसमें रंगकर्म व रंगमंच कला जगत के प्रत्येक पक्ष पर विमर्श के दृष्टिकोण से सामग्री प्रकाशित की जानी है। 'परिवर्तन' पत्रिका परिवार कला जगत से जुड़े विद्वानों, शोधार्थियों, कलाकारों का स्वागत करता है। आप हमें रंगमंच के विविध पक्षों पर विमर्श के दृष्टिकोण से लेख, शोध आलेख इत्यादि भेज सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप रंगमंच जगत से जुड़ी वर्तमान गतिविधियों की जानकारी भी हमसे साझा कर सकते हैं।

अपनी रचनाएँ हमें **manishactor.kumar20@gmail.com** या **parivartanpatrika@gmail.com** मेल करें।

वेबसाइट : www.parivartanpatrika.in

अतिथि संपादक

मनीष कुमार

संपादक

महेश सिंह